मॉड्यूल 4 वीडियो कक्षा 3: एनाली न्यूव्ट्स के साथ साक्षात्कार

नमस्ते। हमारे पाठ्यक्रम 'महामारी में पत्राकारिताः कोविड-19 को वर्तमान और भविष्य में कवर करना' के वीडियो सेगमेंट में आपका एक बार फिर से स्वागत है। हम अब मॉड्यूल चार में हैं। हम इस पाठ्यक्रम के अंत में हैं जहां हम पत्रकार और लेखक एनाली न्यूव्ट्स से इस बारे में बात करेंगे कि अगले दो वर्षों में क्या होगा। एनाली, हमारे पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद।

हाँ, मुझे बुलाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

तो इस समय हमसे 9,000 से अधिक छात्र जुड़े हुए हैं, और वे 160 से अधिक देशों से हैं। मुझे यह भी पता नहीं है कि आज की गिनती क्या है, ये सभी इतनी अधिक संख्या में और बहुत दूर-दूर जगहों पर हैं, इसलिए संभावना है कि उनमें से सभी आपके काम के बारे में नहीं जानते होंगे। तो क्या आप हमें अपने बारे में थोड़ा बता सकते हैं और आप क्या करते हैं?

जरूर। तो मैं एक विज्ञान पत्रकार हूं। और मेरे करियर में, जो अब लगभग दो दशक का हो चुका है, मैंने प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के साथ-साथ विकास और प्राचीन इतिहास को भी पढ़ा है, और मैंने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से अलग-अलग कार्य किए हैं। मैंने नाइट साइंस जर्नलिज्म फेलोशिप की थी जैसे आपने की है मेरीन। मैंने हाल ही में पिछले कुछ वर्षों से विज्ञान उपन्यास पर लिखना शुरू किया है और मैं इस बारे में और अधिक सोचता रहा हूं कि कैसे मैं प्रचलित अटकलों और सच्चे सबूतों के बीच संपर्क के बारे में लिख सकता हूं। मैं न्यूयॉर्क टाइम्स, न्यू साइंटिस्ट, पॉपुलर साइंस, विज्ञान शीर्षक के साथ बहुत सारी जगहों पर स्पष्ट पत्रकारिता कर रहा हूं, और मैं विज्ञान पर आधारित उपन्यास के साथ-साथ विज्ञान पुस्तकें भी प्रकाशित करता हूं।

इसलिए मैं दोनों जहान में हूं। और मेरा पसंदीदा काम वास्तव में यह सोचना है कि कैसे हम सबूत-आधरित भविष्यवाणियां कर सकते हैं कि हम कहां जा रहे हैं ताकि जब आपदाएं आएं या जब अच्छी चीजें होती हैं तो हम तैयार रहें, और हम यह पता लगाना चाहते हैं कि हम उन लोगों के लिए संसाधन कैसे आवंटित करेंगे।

साक्ष्य-आधरित भविष्यवाणी बिल्कुल वही है जो मैं उम्मीद कर रही थी, इसलिए इसके लिए धन्यवाद। जिस कारण से मैं चाहती थी कि आप आएं और इस कक्षा के समाप्त होने से पहले बात करें क्योंकि आपका काम कल्पना और हकीकत के तालमेल पर आधरित है जो पिछले समाज और भावी समाज दोनों की कल्पना कर रहा है। इसलिए मैं आपसे सबसे पहले आपकी एक नॉन-फिक्शन पुस्तक, 'स्कैटर, एडेप्ट एंड रिमेम्बर,' के बारे में पूछना चाहती हूं क्योंकि इसमें आपने यह लिखा हैः 'इसके 4.5 बिलियन वर्ष के इतिहास में, पृथ्वी पर जीवन कम से कम आध दर्जन बार नेस्तनाबूद हो चुका है। हम जानते हैं कि एक और वैश्विक आपदा अंततः हमारे रास्ते में है।' तो यहाँ हम एक वैश्विक आपदा से जूझ रहे हैं। इस बारे में आप क्या कल्पना कर रहे थे?

कुछ मायनों में यह है। मेरी पुस्तक में महामारी पर एक अध्याय है और महामारी से लड़ने के लिए कैसे तैयारी की जाती है और कैसे भविष्यवाणी की जाती है, और संभावित आपदाओं के बारे में मेरी सोच में, महामारी शीर्ष पर ही थी। बेशक, मुझे यह नहीं पता था कि इसके साथ रहने पर कैसा महसूस होगा, और महामारी के विभिन्न प्रकार के कारण और प्रभाव क्या होंगे। लेकिन जो समझ मुझे उस किताब पर शोध करने से मिली, वह वास्तव में बड़े पैमाने पर लोगों के विलुप्त होने के बारे में थी, ये बहुत बड़ी घटनाएँ हैं जहाँ पृथ्वी पर सभी प्रजातियों के 75% से अधिक लोग मर जाते हैं, इसलिए वे वास्तव में काफी प्रचंड हैं और हर चीज से परे हैं जो कोरोना वायरस कभी भी कर सकता है।

लेकिन जो कुछ मैंने सीखा, वह यह था कि वास्तव में इन भयंकर आपदाओं का होना बहुत आम है, जो या किसी प्रजाति या प्रजातियों के पूरे समूह को मिटा देती हैं, और पृथ्वी पर जीवन के इतिहास का सबसे आम पहलू यह है कि जिन्दगी इन आपदाओं से उबरती है, जहां चीजें दिलचस्प होती हैं, और यह जीवन हमेशा से वापस लौटता रहा है-अभी तक, और जहां तक हम जानते हैं। और इसके परिणामस्वरूप अक्सर नई पर्यावरण प्रणाली, नई प्रकार की प्रजातियां उभरती हैं, और प्रजातियां नए तरीकों से परस्पर संबंध बनाती हैं। और इसलिए, इन सभी आपदाओं के कारण मनुष्य यहाँ हैं और स्तनधारी भी यहाँ हैं, इसलिए आपदाएँ उत्पादक हो सकती हैं, जो अभी कहना बहुत ही अजीब बात है क्योंकि हम इस कोरोनोवायरस महामारी के बीच में हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि मेरे लिए आपदाओं के बारे में सोचने में वास्तव में क्या दिलचस्प है, वह है इन आपदाओं के कारण और प्रभाव। जैसे वे हमारे राजनीतिक जीवन में क्या प्रभाव डालते हैं? आपदाएं यह तय करती हैं कि इस धरती और मनुष्यों के लिए आगे क्या आने वाला है?

तो मैं आपसे एक पल में यह पूछने जा रही हूं कि आगे क्या आने वाला है, लेकिन चीजें कैसे एक साथ वापस आती हैं, आइए उनके बारे में बात करते हैं। तो 'स्कैटर, एडेप्ट एंड रिमेम्बर' में और मुझे लगता है कि इस नई किताब 'फोर लॉस्ट सिटीज, जिसके बारे में आपने बात की, में भी आपने बताया है कि समाज कैसे अलग होते हैं। और इसलिए यह अनुभव और यह जानकारी होने के नाते, क्या ऐसी कोई चीज है जो आप वर्तमान क्षण में कोरोनोवायरस के साथ देखते हैं जो विशेष रूप से आपके लिए चिंता का विषय है?

हां, मेरा मतलब है, बहुत सारी चीजें। इसलिए दुनिया की आपदाओं के कारण और प्रभाव में से एक यह है कि वे दुनिया में अन्य आपदाओं का कारण बनते हैं, खासकर यदि हमने उनके लिए तैयारी नहीं की है। और दुर्भाग्य से, कोरोनोवायरस के मामले में, विशेष रूप से अमेरिका में, भले ही हम वैज्ञानिक समुदाय यह जानते थे कि इस तरह की महामारी के बहुत जल्द होने की संभावना थी, हम राजनीतिक स्तर पर तैयार नहीं थे।

संघीय सरकारों, राज्य सरकारों, और स्थानीय सरकारों ने आपदाओं से निपटने के लिए सामग्री का स्टॉक नहीं किया था। हमने इसका मुकाबला करने में सहायता के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के बीच समन्वय नहीं किया। स्पष्ट शब्दों में कहूं तो हमारे पास इतने बड़े स्तर पर किसी चीज से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा नहीं है, और यह बेहद जरूरी है जब भी आप किसी ऐसी चीज से निपट रहे हैं जो एक वैश्विक आपदा है, जैसे जलवायु परिवर्तन या कोई महामारी। आपको राष्ट्रों के बीच व्यापक रूप से बेहतरीन संपर्क बनाना होगा और उन देशों में वैज्ञानिक समुदायों के बीच विश्वास पैदा करना होगा। हमारे पास अभी यह नहीं है, और एक दिन मुझे उम्मीद है कि हम ऐसा करेंगे।

एक चीज जो मैंने 'स्कैटर' में सीखी थी और उसके बाद 'फोर लॉस्ट सिटीज' नामक पुस्तक, जो प्रकाशित होने जा रही है और वास्तव में इस बात पर केंद्रित है कि मानव सभ्यताएँ बड़े पैमाने पर परिवर्तनों और आपदाओं से कैसे निपटती हैं, और आपको उन अतिरिक्त समस्याओं को वास्तव में देखना चाहिए।

अभी हम कोरोनवायरस से मुकाबला कर रहे हैं, हम इस पर काम कर रहे हैं। लेकिन जैसा कि हो रहा है, हम अपनी अर्थव्यवस्था को गिरते हुए देख रहे हैं। हम देख रहे हैं कि हमारे राजनीतिक संस्थान अधिक अस्थिर हो गए हैं। हम पर्यावरण संबंधी समस्याओं को पर्यावरणीय कचरा बनाम नियमों के बदतर रूप को देख रहे हैं। हम जलवायु परिवर्तन के आसपास और अधिक समस्याएं देख रहे हैं क्योंकि इस मुश्किल समय में पर्यावरण नियमों में ढील दी जा रही है। और वह स्थान जहाँ कई आपदाएँ एक दूसरे पर लद जाती हैं- उनमें प्राकृतिक आपदा में राजनीतिक आपदा शीर्ष पर है, जो तब एक और प्राकृतिक आपदा पैदा करती है - जब चीजें वास्तव में भयावह हो जाती हैं।

मैं अभी कैलिफोर्निया रिपोर्ट सुन रहा था, जो कैलिफोर्निया में एक सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम है, इस तथ्य से निपटते हुए कि अब हम अकाल का सामना कर रहे हैं। हम कैलिफोर्निया में भुखमरी का सामना कर रहे हैं, जबकि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न है, लेकिन बहुत से लोग कुपोषित हैं और उनके पास खाने को भोजन नहीं है। इसलिए, यह फिर से, कारण और प्रभाव का एक और उदाहरण है जहां हम महामारी से जूझ रहे हैं, लेकिन महामारी के कारण हम अकाल, राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। और यदि यह अस्थिरता अधिक हो जाए, तो आप अपने समाज में जबरदस्त बदलाव देखना शुरू कर देंगे। जैसे कोई चीज ढह रही हो या कोई क्रांति हो रही हो। कुछ ऐसा जो किसी बीमारी की तुलना में वास्तव में बहुत अधिक गहरा हो सकता है।

आपने जो अभी इन अनेक दुष्प्रभावों के बारे में बताया। धन्यवाद, मैं वास्तव में इनके बारे में जानना चाहती थी।

मैं और भी बता सकता हूं यदि आप सुनना चाहें।

मैं और अधिक सुनना चाहती हूं क्योंकि मैं जो जानने के लिए उत्सुक हूं, वह यह है कि आपने अभी जिन दुष्प्रभावों के बारे में खुलासा किया है आपको क्या लगता है कि इनमें से क्या चीज सबसे खतरनाक है? अगले कुछ वर्षों में इससे निपटने के लिए सबसे मुश्किल क्या होगा?

यह वास्तव में अच्छा सवाल है, और किसी हद तक इसका उत्तर यह है कि हम पक्के तौर पर नहीं जान सकते हैं। क्योंकि हम नहीं जानते कि कोविड-19 कोरोनावायरस के टीके का बनना कितना मुश्किल है...

भले ही हम उस 18 महीने के भीतर कोई वैक्सीन बना लेते हैं, जो पूरी तरह से अनुमान है। ठीक है? यह 10 साल हो सकता है। हम नहीं जानते। यहां तक कि एक बार यह बन जाए, हम नहीं जानते कि यह कैसे वितरित किया जाएगा।

मुझे लगता है कि यह सवाल कि यह कैसे वितरित किया जाएगा, यह वास्तव में किसी चीज को ध्केलने जैसा होगा यदि हम वास्तव में सोचें कि चीजें कितनी अस्थिर हो सकती हैं। क्योंकि इस समस्या का वैज्ञानिक समाधन है, और फिर राजनीतिक समाधन और आर्थिक समाधन है। मुझे लगता है कि वैज्ञानिक समाधन आर्थिक और राजनीतिक समाधन की तुलना में बहुत अधिक सीध है। यहां जो कुछ भी है, उसका उत्तर बहुत चुनौतीपूर्ण है-यह चुनौती हमारी सरकारों के लिए है कि उनकी इस बेहद साधरण कार्य पर क्या प्रतिक्रिया होगी, यह वह मदद है जो आपके लोगों को विज्ञान का सहारा लेकर जीवित रहने के लिए चाहिए।

और ऐसा करना बहुत ही आसान है, लेकिन जब इसमें राजनीतिक अंदरूनी कलह, दिखावा, और कुलीन वर्ग जुड़ जाता है, और लोग एक-दूसरे को रिश्वत देने लगते हैं, और ये सभी चीजें जो हम जानते हैं कि हर देश में होती हैं, बस यहीं से यह मुश्किल होने वाला है। और एक बार जब उन राजनीतिक मुद्दों पर बातें उलझ जाती हैं, तो मुझे लगता है कि जब आप इसके कारण और प्रभाव जैसे अकाल और पर्यावरण में विषाक्त पदार्थों के घुलने से बढ़ती समस्याओं को देखना शुरू कर देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकारें अपनी सारी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करती हैं कि कैसे वे अपने सगे-संबंधियों को इन टीकों के निर्माण का ठेका देने जा रहे हैं, ठीक है, और इसलिए वे इस बात पर ध्यान नहीं देती हैं कि हम अपने कृषि उत्पादन का सुरक्षित ढंग से प्रबंध्न कैसे करें। और इसलिए, हाँ, दुर्भाग्य से, मुझे लगता है कि राजनीतिक अस्थिरता का कोई वैज्ञानिक इलाज नहीं है, और मैं चाहता हूं कि इसका इलाज हो। मुझे लगता है कि कुछ लोग हैं जो मानते हैं कि इसका इलाज है। लेकिन, दुर्भाग्य से, यह एक सामाजिक इलाज है, और इसका इलाज करना सबसे कठिन हैं। सबसे कठिन कार्य सामाजिक चिकित्सा का इलाज है।

तो चलिए कुछ उम्मीद से भरी बातें करते हैं।

ठीक है। मैं तैयार हूँ।

तो अब हम इससे हटकर बात करते हैं। आपकी पुस्तकों में से एक चीज जो मुझे पसंद है वह यह है कि हालांकि आप उन चीजों के बारे में लिखते हैं जो बहुत भयानक हैं, आप सभ्यताओं के अंत के बारे में लिखते हैं और डायनासोर की मृत्यु के बारे में, ब्रह्मांड की मृत्यु के बारे में, और आप इनमें से बहुत सी उम्मीद की किरण को पाने में कामयाब रहे हैं। और यह और भी सच है, मुझे लगता है, आपकी कल्पना में।

इसलिए मैं मानव रचनात्मकता और समुदाय में उस विश्वास को लेकर आश्चर्यचकित हूं जिसे आप अपने काम में व्यक्त करते हैं, क्या आपको उम्मीद का कोई कारण अभी दिखाई देता है? जो कुछ भी आपने बहुत से दुष्प्रभावों के बारे में पहले बताया था क्या आपको लगता है कि चीजें ठीक हो सकती हैं?

हाँ बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमेशा उम्मीद है। मुझे लगता है कि जिस क्षण हम उम्मीद छोड़कर सब कुछ ठीक करने की कोशिश करना बंद कर देते हैं, वह वास्तव में सबसे निराशाजनक हो जाता है। यहां तक कि जब आप बेहद कठिन परिस्थितियों में होते हैं, तब भी काम करते रहना चाहिए, चाहे वह प्रयोगशाला में काम हो, चाहे वह सड़क पर काम हो रहा हो या किसी सरकार का विरोध् जो गलत तरीके से भोजन या दवा का वितरण कर रही है, या राजनीतिक शक्ति का दुरुपयोग कर रही है, इन सब में सदा उम्मीद रहती है।

और मेरे लिए, मुझे लगता है कि आशा की सबसे छोटी किरण, जैसे कि हम इसे मापना चाहें तो हम एक परमाणु संरचना की तरह सबसे छोटी इकाई के रूप में माप सकते हैं, मेरे लिए आशा की सबसे छोटी इकाई लोगों के बीच दोस्ती और विश्वास है। और एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, एक बार जब आपके साथ समुदाय जुड़ जाते हैं, जैसे मैंने कहा, वैक्सीन या थेरेपी का पता लगाने के लिए किसी प्रयोगशाला में काम करना, या आपका कोई राजनीतिक विरोधी आपका सहयोगी बन जाए, या आपका कोई राजनीतिक समूह किसी आध्यात्मिक समूह का सहयोगी बन जाए। जब भी ऐसा होता है तब लोग एक साथ काम करने में सक्षम होते हैं, तो आपके पास कुछ बेहतर शुरुआत होती है। और जाहिर है, ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन अपवाद भी होते हैं, और हमेशा ऐसे लोगों के समूह होते हैं जो एक साथ मिल कर बुरे काम करते हैं। मैं इसे कम करके नहीं आंकना चाहता। लेकिन आम तौर पर, जब आप इस तरह

की समस्या से निपट रहे होते हैं, जिसमें इसके कई पक्ष होते हैं, राजनीतिक पक्ष और वैज्ञानिक पक्ष, जितना अधिक आप लोगों को समन्वय करने के लिए जुटा सकते हैं, उतना ही बेहतर होगा।

मैं यह भी सोचता हूं कि यदि एक क्षण को केवल कोरोनोवायरस पर ध्यान केंद्रित करें, न कि इस तरह के बड़े मुद्दों पर कि जलवायु की समस्या है और राजनीति में गड़बड़ है। एक बात जो हम मनुष्यों के बीच ऐतिहासिक रूप से देखते हैं, वह यह है कि जब भी कोई महाविनाश होता है जो महामारी हो, तो यह आम तौर पर प्रगतिशील सामाजिक बदलाव लाती है, विशेष रूप से यह श्रमिकों के लिए सामाजिक परिवर्तन होता है। क्योंकि जो कुछ भी हुआ है, 1,000 साल या उससे अधिक पहले, वह यह है कि जब कोई महामारी किसी समुदाय को प्रभावित करती है, तो यह वास्तव में लोगों को दृढ़तापूर्वक याद दिलाती है कि उस समुदाय में सबसे महत्वपूर्ण कार्यकर्ता कौन हैं।

और यह हमेशा भोजन बनाने वाले, अनाज उपजाने वाले, बीमार लोगों की देखभाल करने में मदद करने वाले लोग होते हैं, ऐसे लोग जो जनता को शिक्षित करने की स्थिति में हैं। और रोजमर्रा की जिंदगी में हम अक्सर इन लोगों को भूल जाते हैं कि वे जीवित रहने के लिए और हमारे जीवन को जीने लायक बनाने के लिए कितने अहम हैं। और मुझे लगता है कि हम ऐसा होते हुए देख रहे हैं, कम से कम यहां अमेरिका में। अचानक लोगों को यह अहसास होने लगा है, कि जो लोग मेरा खाना लाते हैं, वे वास्तव में जूम प्रोग्राम करने वाले व्यक्ति की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं। तुम्हे पता है? या वे उस व्यक्ति की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं, जो इस फेडरल भवन में कागजात पर हस्ताक्षर करते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि ये लोग शानदार लोग नहीं हैं, लेकिन यदि आप अपनी प्रजातियों के अस्तित्व के बारे में बात कर रहे हैं, तो ये वे लोग हैं जो महत्वपूर्ण हैं।

और इसलिए, उदाहरण के लिए, इंग्लैंड में बुबोनिक प्लेग की पहली लहर, 14वीं शताब्दी के प्लेग के बाद, श्रमिक सुधारों की लहर आई थी। और ब्रिटिश इतिहास में बहुत सालों में पहली बार, किसानों को बेहतर अधिकार दिए गए, मजदूरों की मजदूरी बढ़ी, और यहाँ अमेरिका में, हम ऐसा ही कुछ होता देख रहे हैं। हम उन श्रमिकों को पहली बार हड़ताल पर जाता देख रहे हैं, जहां पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। इसलिए यह उसी बात की पुष्टि करता है जो मैं कह रहा था कि लोगों के बीच सामाजिक रिश्ते बन रहे हैं जैसे मजदूर एकजुट हो रहे हैं और संगठित होकर वे कह रहे हैं, 'हमारे लिए क्या अच्छा है?' जैसे, हम इसमें से क्या ले सकते हैं जो हमें बचाए? इसलिए नहीं कि हम काम नहीं करना चाहते हैं, बल्कि

इसलिए कि हम यह काम करना चाहते हैं। और हम बेहतर सुरक्षा चाहते हैं। हम पीपीई चाहते हैं। हम चाहते हैं, बीमारी होने पर छुट्टी, और हम स्वास्थ्य देखभाल चाहते हैं। ऐसी चीजें जो मानवीय हों।

और इसलिए, हमने इसे पूरे इतिहास में बार-बार देखा है कि समाज ऐसी प्राकृतिक और आर्थिक आपदाओं के मद्देनजर खुद को किस तरह पुनर्गठित करता है, अक्सर यह हाशिए पर रहने वाले उन समूहों के लिए एक अवसर होता है कि वे आगे आएं और कहें, 'नहीं, हम महत्वपूर्ण हैं, और हमें सुना जाना चाहिए। इसलिए यह मुझे बहुत उम्मीद दिलाती है। दूसरी बात जिसके मुझे कोरोनोवायरस से होने की बहुत उम्मीद है, वह यह है कि जलवायु परिवर्तन के विषयों पर काम करने वाले कई लोगों ने पहले ही यह कहा था, जो अब हमारे लिए एक उदाहरण है जिसे लोग स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं कि आप इस दीर्घकालिक समस्या से कैसे निपट सकते हैं, जैसे जलवायु परिवर्तन या कोई महामारी, आप इसे बदतर होने से कैसे रोकते हैं।

और इस महामारी की दर को कम करने का मतलब केवल यह नहीं है कि कुछ चीजों को बेहतर बनाया जाए ताकि हम सभी के लिए दुनिया बेहतर हो सके। अब हम इस बारे में बात कर सकते हैं कि जलवायु के लिए यह कैसे प्रासंगिक है क्योंकि यही नियम इन पर भी लागू होते हैं। जैसे हम व्यक्तिगत रूप से हर दिन छोटी-छोटी चीजें कर रहे हैं। हम इस बीमारी से निपटने के लिए अपनी स्थानीय और संघीय सरकारों के स्तर पर काम कर रहे हैं, जिस तरह से हमें जलवायु परिवर्तन के साथ करने की जरूरत है, और उसी तरह हमें कार्बन उत्सर्जन के साथ, और विषाक्त पदार्थों को डंप करने, और कृषि अपशिष्ट के साथ, और भोजन में एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करने की जरूरत है।

ये सभी जटिल वैश्विक समस्याएं हैं, और मुझे लगता है कि अब लोग इस तरह से सोचना शुरू करने के लिए तैयार हैं। अपने मस्तिष्क को चारों ओर से केन्द्रित करके यह समझाना बहुत ही कठिन काम है कि, 'ठीक है, अब मैं जो कुछ भी कर रहा हूं वह दुनिया भर में हर किसी के लिए होगा और भविष्य में 10 या 20 साल तक हर किसी को प्रभावित करेगा।' यह मुश्किल है। लेकिन मुझे लगता है कि अब हम समझने लगे हैं। हम देख रहे हैं कि हम अपने रोजमर्रा के जीवन में कितनी ही छोटी-छोटी चीजें करते हैं, जो वास्तव में एक बड़े वैश्विक प्रयास का हिस्सा हो सकती हैं, जिससे मुझे भी उम्मीद है।

मुझे लगता है कि जब हम क्वारंटीन और महामारी के इस दौर से बाहर आ जाएंगे, तो हमारे पास ऐसे लोगों के नए समूह होंगे जो इक्ट्ठा होकर विचार करेंगे। श्रमिकों के नए समूह, लोगों के नए समूह जो जलवायु के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ताकि उनके विचारों के आधार पर नीतियां बनाई जा सकें। तो यह एक उम्मीद हो सकती है।

इसके लिये आपका धन्यवाद। आशावादी होने के लिए धन्यवाद। तो आइए, इन दोनों पर एक साथ विचार करते हैं। सभी नकारात्मक चीजों को अलग करते हुए और संभावित कारणों के प्रति आशावान रहते हुए। आपके सबसे अच्छे अनुमान में या आपकी आधिकारिक सोच में, आप अगले दो सालों को किस तरह से देखते हैं? एक साल या दो साल, पांच साल, आपको क्या लगता है कि क्या हो सकता है?

हाँ, मेरा मतलब है, इस प्रश्न पर कई तरह से विचार किया जा सकता है। मैं आंशिक रूप से इसके बारे में पहले ही आपको थोड़ा बता चुका हूं। मुझे लगता है कि भविष्य में और अधिक श्रम संगठन बनेंगे। मुझे लगता है कि कई स्थानों पर लोग गरीबी और आय में व्यापक असमानता के बारे में अधिक जागरूक होंगे। और साथ ही, मुझे लगता है कि यह बड़े सामान को छांटने की तरह है, मुझे लगता है कि हमें बहुत सारे बदलाव देखने को मिलेंगे कि लोग ऑनलाइन कैसे बातचीत करते हैं।

तो जैसा कि मैंने कहा, मेरी पृष्ठभूमि एक तकनीकी पत्रकार की है, और मैं इस बारे में बहुत सोचता रहा हूं कि हम अभी तकनीक का उपयोग कैसे कर रहे हैं और यह कैसे राजनीति और शिक्षा को प्रभावित करने वाला है। वास्तविकता यह है कि हम यहाँ बैठकर एमओओसी; व्यापक ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम कर रहे हैं। एमओओसी कुछ समय के लिए होती है, और यह वास्तव में मददगार रही है। मुझे लगता है कि अब यह भविष्य में और अधिक होगी। और एमओओसी के बारे में एक चीज बहुत अच्छी है, इसकी खासियत यह है कि यह अंतरराष्ट्रीय है। बेशक एमओओसी में अन्य 6,000 लोगों के साथ बात करना मुश्किल है। लेकिन तथ्य यह है कि यह एक छोटा समुदाय समूह है जो अब हम बना रहे हैं।

यह दुनिया भर के लोगों का एक समूह है जो अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, जो एक ही तरह के विचार सुन रहे हैं और जो इस कक्षा से बाहर आने पर अलग तरीके से सोचेंगे कि रिपोर्टिंग कैसे करें, और लेखन कैसे करें, और अपने समुदायों के साथ बातचीत कैसे करें। और मैं यह नहीं समझ सकता कि यह कितना मौलिक और परिवर्तनकारी है। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो इस बात पर असर डाल

सकता है कि हम अपनी राजनीति कैसे करें। मुझे लगता है कि अब राजनीतिक बातचीत ऑनलाइन करने पर अधिक जोर दिया जाएगा। अमेरिका में अब हम सर्वोच्च न्यायालय की बहस फोन पर सुन सकते हैं, यह कुछ ऐसा है जिसकी सुविधा पहले लोगों के पास नहीं थी।

अपने करियर में एक बिंदु पर, मुझे सुप्रीम कोर्ट के एक मामले में बहुत दिलचस्पी थी, जिसे फाइल शेयरिंग के साथ करना था, और मैं बहस को सुनने के लिए पूरी रात सुप्रीम कोर्ट के बाहर लाइन में सोया रहा, जो काफी रोमांचक था। लेकिन मैं अब यह नहीं करना चाहूंगा। 20 साल की उम्र की तुलना में अब ऐसा करना कहीं अधिक आसान है। लेकिन इसका मतलब केवल यही है कि जो लोग सर्वोच्च न्यायालय के बाहर सो नहीं सकते थे, वे अब सुन सकते हैं कि वे बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों पर कैसे बहस कर रहे हैं।

दूसरी तरफ, मुझे लगता है कि हम यह बदलाव देखने जा रहे हैं कि लोग वास्तविक दुनिया में भी कैसे बातचीत करते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत स्पष्ट है कि यह सामाजिक मानदंडों को बदलने जा रहा है कि कैसे लोग एक साथ बैठते हैं, अमेरिका जैसे देशों में आने-जाने के लिए वे क्या मार्ग अपनाते हैं, जहां हमने मॉस्क न पहनने की भारी गलती की है। जैसे यहां मॉस्क पहनने का चलन नहीं है, जिस तरह से जापान और चीन में, और बहुत सारे अन्य देशों में मास्क पहने जाते हैं, जहां यह सामान्य बात है। जैसे लोग हर समय मास्क पहनते हैं। यह अब वास्तव में बदलने जा रहा है कि लोग एक-दूसरे को कैसे देखते हैं।

और एक और बात... यहाँ... एक दिलचस्प कारण और प्रभाव है। इसलिए अमेरिका और बहुत से यूरोपीय देशों में, सार्वजनिक स्थलों में अपने चेहरे को ढकने वाले लोगों के खिलाफ कानून हैं, और आम तौर पर इन कानूनों का उद्देश्य अपराध को हतोत्साहित करना है। लेकिन मुझे लगता है कि जितने समूहों ने इशारा किया है, ये मूल रूप से वे कानून हैं जिनका उद्देश्य मुस्लिम होने का अपराधीकरण करना है, और उन महिलाओं के लिए जो हिजाब पहनना चाहती हैं या अपने चेहरे को ढंकना चाहती हैं।

और एक बार जब हमने अमेरिका में इस विचार को आम कर दिया कि लोगों को मास्क पहनने की आवश्यकता है, मुझे नहीं लगता कि ये कानून बहुत कारगर होंगे। और इसलिए मुझे अजीब लगता है, यह हमें कुछ राजनीतिक आजादी दे सकता है जो हमारे पास पहले नहीं थी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। पहनने की स्वतंत्रता जो भी आप पहनना चाहते हैं और यह अपराध नहीं होना चाहिए, और यह मुझे

वास्तव में खुशी देता है। मुझे ऐसा लगता है कि इसकी सबसे अच्छी बात यह रही है कि आपके जातिवादी कानून काफी बुरे हैं जो अब कारगर नहीं होंगे यदि आप लोगों को जीने देना चाहते हैं।

तो ये वे बाते हैं जिनके बारे में मैं सोचना पसंद करता हूं, जैसे अजीब छोटे बाईपास, जन स्वास्थ्य के अजीब प्रभाव जो हमारे जीवन के इन अन्य हिस्सों पर क्या प्रभाव डालेंगे और संभवतः उन्हें बेहतर बनाएंगे। बेशक ऐसे बहुत से तरीके हैं जिनसे चीजें बदतर होंगी।

मुझे लगता है कि दूसरी बात जिस पर आगे विचार किया जाएगा, वह इस बात पर और भी अधिक जोर देती है कि हम स्वास्थ्य देखभाल व्यय को कैसे आवंटित करते हैं। और यह अमेरिका जैसे देशों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां... हमारे पास बहुत कम धनराशि है.... हमारे पास... मुझे यह कैसे करना चाहिए? हमारे पास वास्तव में राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली नहीं है।

हमारे पास नहीं है।

मेरा मतलब है कि हमारे पास वह है जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली हो सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि हम स्वास्थ्य देखभाल को अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के बारे में लोगों की बहुत अधिक रुचि होगी। मुझे लगता है कि यह सिर्फ इस रूप में स्पष्ट है कि यदि ऐसा न हुआ तो लोग मर जाएंगे।

और अंत में, फिर से, ये सभी मामूली बातें हैं। मुझे लगता है कि हम जो देखने जा रहे हैं, वह है स्वचालन यानी दरवाजे को छुए बिना किसी स्थान पर कैसे जाएं, या शौचालय को छुए बिना शौचालय को कैसे फ्लश करें, आदि। और यह सब बहुत अच्छा लगता है। यह विचार कि हमारे पास ऐसी तकनीकें होंगी जिनसे हमें कक्षाएं लेने में मदद मिलेगी और तकनीक हमें दूषित सतहों को छुए बिना जीवन जीने में मदद करेगी।

लेकिन मैं इस अटकल को यह कहकर समाप्त करना चाहूंगा कि इन सभी बातों पर एक बार फिर से अधिक ध्यान दिए जाने की जरूरत है कि हमारे पास क्या है और क्या नहीं है, के बीच अविश्वसनीय विभाजन किया जाए, क्योंकि ऐसे लोग होंगे जो एक कंप्यूटर ले सकते हैं जो उन्हें एमओओसी लेने में सक्षम बनाएगा, जो किसी ऐसी इमारत में काम कर सकते हैं या ऐसी इमारत में रह सकते हैं, जो

स्वचालित हो, यहां तक कि उनमें नौकरियां भी हो सकती हैं। और ऐसे अधिकांश लोग हैं, जिनके पास स्वास्थ्य देखभाल नहीं है, जो खतरनाक कार्यों में लगे हैं और इसके लिए उन्हें मुआवजा नहीं दिया जा रहा है।

इसलिए मुझे लगता है, फिर से, यह सब कुछ इस सवाल पर वापस आता है कि हम अपने जरूरी श्रमिकों के साथ कैसा व्यवहार करने जा रहे हैं जिनके साथ अब तक दुर्व्यवहार किया गया है या हाशिए पर रखा गया है। तो, हाँ, मुझे लगता है कि अगले तीन से पांच साल श्रमिक अधिकारों, स्वास्थ्य देखभाल और बहुत सारी ऑनलाइन कक्षाओं के मुद्दों वाले होंगे।

जिसमें यह भी शामिल है।

हाँ।

जो हम सभी, मुझे लगता है कि मैं हम सभी की ओर से बोल रही हूं, मैं इस एमओओसी को मौलिक और परिवर्तनकारी कहने के लिए आपका धन्यवाद करती हूं।

मेरा मतलब है, इसे उस रूप में कहना जैसा मैं इसे देखता हूं।

खैर, बहुत-बहुत धन्यवाद। ये वाकई शानदार विचार थे। हमारी कक्षा में शामिल होने के लिए धन्यवाद।

हाँ, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद। मेरी शुभकामनाएं।